हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस - 2022 कार्यक्रम का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस - 2022 संस्थान के सभागार में मनाया गया । इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोधार्थी सहित 80 लोग शामिल हुए । **डॉ. जगदीश सिंह, वैज्ञानिक-एफ॰, प्रभागाध्यक्ष, विस्तार प्रभाग** ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस हर वर्ष 11 दिसम्बर को मनाया जाता है और हर वर्ष अलग अलग थीम होते है । उन्होंने आगे बताया कि इस वर्ष का थीम "Women move mountains" है और इस कार्यक्रम में थीम के महत्व पर चर्चा करना तथा जागरूकता लाना है । उन्होंने कहा कि पहाड़ स्वच्छ जल का स्त्रोत हैं । **डॉ. सिंह** ने पर्यावरण की रक्षा हेतु ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की नीति की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि **डॉ॰ संदीप शर्मा, निदेशक** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने मुख्य वक्ता **श्री श्रीनिवास जोशी, भारतीय प्रशासनिक सेवा** (सेवानिवृत) का हिमाचली परम्परा के अनुसार स्वागत किया और कार्यक्रम में आने हेतु संस्थान का आमंत्रण स्वीकार करने करने के लिए धन्यवाद दिया । उन्होनें आशा जताई कि कार्यक्रम से जुड़े सभी लोग लाभान्वित होंगे । डॉ॰ शर्मा ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्र जैव विविधता के भंडार हैं और यह जीवन और पर्यावरण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है । उन्होंने भारत के आरम्भिक पर्यावरण प्रेमियों में से एक एवं चिपको आन्दोलन के प्रमुख नेता सुन्दरलाल बहुगुणा के पर्वतीय क्षेत्रों में वनों के संरक्षण के लिए किए गए संघर्ष पर प्रकाश डाला । **डॉ॰ शर्मा** ने कहा कि वनों के दोहन से अल्पावधि के लिए तो लाभ लिया जा सकता है परंतु स्वस्थ वन पारिस्थितिकी स्थायी अर्थव्यवस्था का आश्वासन देती है ।

मुख्य वक्ता **श्री श्रीनिवास जोशी** ने "Women move mountains" पर व्याख्यान दिया । उन्होंने बताया कि पर्वत दुनिया की 15% आबादी का घर हैं और दुनिया की लगभग आधी जैव विविधता वाले हॉटस्पॉट पर्वतों मे स्थित है । उन्होंने हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिला के दूर दराज़ गाँव घान्टो संगडाह की किंकरी देवी के बारे में बताया कि किस प्रकार एक अशिक्षित अकेली महिला ने सिरमौर जिले के गिरिपार क्षेत्र के खदानों में अवैज्ञानिक और अवैध ढंग से हो रही के विरुद्ध आवाज़ उठा कर पर्यावरण के प्रति लोगो को जागरूक किया और 1985 में महिलाओं और स्वयंसेवी सस्थाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई आरंभ की और आखिरी साँस तक इसे जारी रखा । किंकरी देवी ने

विरोध प्रदर्शन भूख हड़ताल ज्ञापनों के माधयम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को तो जागरूक किया ही साथ ही खनन माफियाओं को खुली चुनोती दी । 1995 में चीन के बीजिंग में चौथे विश्व महिला समेलन का सुभारम्भ करने वाली किंकरी देवी को 2001 में प्रधानमंत्री द्वारा स्त्री शक्ति राष्ट्रीय पुरस्कार और रानी झाँसी उपाधि से समान्नित भी किया गया । उसके बाद उन्होंने उत्तराखंड के लाता गाँव की गौरा देवी के योगदान पर प्रकाश डाला कि क्यों इन्हें चिपको आन्दोलन की जननी माना जाता है। अपने वक्तव्य में उन्होंने बछेंद्री पाल (माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली प्रथम भारतीय महिला), मालावत् पूर्ण (विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ने में सफलता प्राप्त करने वाली भारत की पर्वतारोहिणी सबसे युवा महिला), संतोष यादव (एवरेस्ट पर्वत पर दो बार चढ़ने वाली विश्व की प्रथम महिला), प्रेमलता अग्रवाल (जिन्होने 48 साल की उम्र में 29,029 फुट की ऊंचाई पर पहुँचकर माउंट एवरेस्ट के शिखर कों छूकर उन्होंने नई उपलब्धि हासिल की), अरूणिमा सिन्हा (भारत से राष्ट्रीय स्तर की पूर्व वालीबाल खिलाड़ी तथा एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने वाली पहली भारतीय दिव्यांग) के बारे में भी बताया । उन्होंने खेजड़ली जोधपुर राजस्थान की अमृता देवी बिश्नोई के बारे में भी बताया कि कैसे अमृता देवी सहित चोरासी गांव के 363 बिश्नोई खेजड़ी हरे वृक्षों को बचाने के लिए खेजड़ली में शहीद हुए थे। अमृता देवी ने कहा था कि यदि पेड़ बचाने के लिए सर भी कट जाए तो सस्ता सौदा है । **श्री जोशी जी** ने अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस के अवसर पर हर महिला पुरुष से पर्वत से जुड़ी एक गतिविधि करने का आग्रह किया ।अंत में "हम असमर्थताओं से नहीं संभाबनाओं से घिरे हैं" सम्बोधन के साथ उन्होंने अपना वक्तव्य समाप्त किया ।

कार्यक्रम के अंत में **डॉ. जोगिंदर सिंह** ने मुख्य अतिथि, संस्थान के निदेशक, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों शोधार्थियों तथा बर्चुअल माध्यम से जुड़े का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया ।

कार्यक्रम की झलकियां

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत
अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस
Theme : Women Move Mountains

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत
अन्तर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस
Women Move Mountains
स्थान : हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla
हि.व.अ.सं.
HFRI

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला
Himalayan Forest Research Institute, Shimla
हि.व.अ.सं.
HFRI

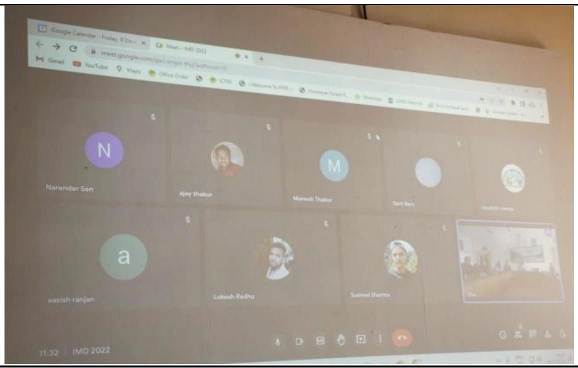

Gmail
YouTube
Maps
Narender Sen
ajay thakur
aasish ranjan
Lokesh Redhu
11:32
IMD 2022

****